भारतीय कॉरपोरेट्स द्वारा एआई को सफलतापूर्वक अपनाना देश की प्रतिस्पर्धात्मकता की कुंजी:

एआई तत्परता पर आईआईएमए - बीसीजी अध्ययन

- **आईआईएमए-बीसीजी के संयुक्त अध्ययन 'भारत में एआई - एक कार्यनीतिक आवश्यकता' में विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी भारतीय कंपनियों के समूह से 11 प्रतिशत लीडर, 9 प्रतिशत लीपफ्रॉगर्स, 13 प्रतिशत स्टेडी फॉलोअर्स और 67 प्रतिशत लेगार्ड्स की पहचान की गई है।**
- **प्रतिभा अंतराल को पाटने की कुंजी जागरूकता, डेटा मानसिकता और कुशल कार्यदल हैं**

12 **जुलाई,** 2023: एक प्रमुख वैश्विक प्रबंधन संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) में ब्रिज डीसा सेंटर फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीडीएसए), और बीसीजी X, द एआई और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन यूनिट ने भारतीय व्यवसायों के एआई तत्परता स्तर पर **"भारत में एआई - एक कार्यनीतिक आवश्यकता"** शीर्षक से एक व्यापक रिपोर्ट जारी करने के लिए सहयोग किया है।

इस रिपोर्ट के निष्कर्ष बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई), उपभोक्ता सामान (सीजी), और औद्योगिक सामान (आईजी) क्षेत्रों की 130 कंपनियों के अध्ययन के साथ-साथ बड़े, मध्यम और छोटे आकार के संगठनों के सीएक्सओ पर किए गए व्यापक साक्षात्कार और सर्वेक्षण पर आधारित हैं। यह अध्ययन वस्तुनिष्ठ और समग्र रूप से किसी कंपनी की अपने रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने और अपने वित्तीय और परिचालन निष्पादन को बढ़ाने के लिए एआई का लाभ उठाने की क्षमता को मापता है।

यह रिपोर्ट आज आईआईएमए परिसर में प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए, प्रोफेसर अंकुर सिन्हा, प्रोफेसर अनिंद्य चक्रवर्ती, ब्रिज डीसा सेंटर फॉर डेटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सह-अध्यक्ष, प्रोफेसर अरिंदम बनर्जी, देबजीत घटक, आईआईएमए के पूर्व छात्र और महाप्रबंधक, ब्रिज डीसा सेंटर फॉर डेटा साइंस एवं एआई, सुमित सरावगी, प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ भागीदार, बीसीजी, दीप नारायण मुखर्जी, उपाध्यक्ष - डेटा साइंस, रजत माथुर, भागीदार, बीसीजी, आईआईएमए और बीसीजी के रिपोर्ट के सभी सह-लेखकों द्वारा जारी की गई।

इस अध्ययन रिपोर्ट को जारी करते हुए, **आईआईएमए के निदेशक, प्रोफेसर भारत भास्कर ने** कहा, *"भारत डिजिटल क्रांति में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जहां हमारे उद्योग द्वारा एआई को सफलतापूर्वक अपनाना विश्व स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता का एक महत्वपूर्ण निर्धारक हो सकता है। एआई को सफलतापूर्वक अपनाने से भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सालाना 1.4 प्रतिशत अंकों तक की वृद्धि हो सकती है।" कॉरपोरेट्स के नजरिए से, एआई को सफलतापूर्वक अपनाने से पांच साल की अवधि में अकेले शीर्ष 500 भारतीय कंपनियों के लिए कर-पूर्व वृद्धिशील लाभ में 1.5-2.5 ट्रिलियन रुपये जुड़ने की उम्मीद है। यह भारतीय उद्योग के लिए एक अविश्वसनीय अवसर प्रस्तुत करता है और हमारी कंपनियां*

आगे बढ़ने और वैश्विक एआई परिपक्वता मानकों के अनुरूप खुद को संरेखित करने के लिए व्यापक इंटरनेट पहुंच और किफायती श्रम का लाभ उठा सकती हैं।

मुझे विश्वास है कि ब्रिज डीसा सेंटर, आईआईएमए और बीसीजी के संयुक्त अध्ययन का नीति निर्माताओं के साथ-साथ उद्योग ऋणदाताओं के लिए भारतीय संगठनों द्वारा एआई को अपनाने के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने और इसे व्यवसाय निष्पादन में रूपांतरित करने में उनकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।"

यह रिपोर्ट आज के व्यावसायिक परिदृश्य में सफलता के लिए एआई परिपक्वता के उन्नत स्तर को प्राप्त करने के महत्व पर जोर देती है। **बीसीजी के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ भागीदार, सुमित सरावगी** ने बताया, *"एआई में निवेश असाधारण रिटर्न दे सकता है लेकिन सफलता एआई को बड़े पैमाने पर लागू करने पर निर्भर करती है। संगठन के सफल एआई संचालित परिवर्तन के लिए संगठन-व्यापी प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। एआई अपनाने से मिली सफलता में एल्गोरिदम का योगदान लगभग 10% है, जबकि डेटा और प्रौद्योगिकी अवसंरचना का योगदान 20% है। शेष 70% लोगों, प्रक्रियाओं और व्यवसाय रूपांतरण पर निर्भर करता है।*

यह रिपोर्ट भारत के कॉर्पोरेट एआई परिदृश्य और एआई अपनाने के रोडमैप में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। अध्ययन से पता चला है कि चुनिंदा भारतीय बीएफएसआई कंपनियों (विशेषकर बैंकों और नए जमाने की एनबीएफसी) में वैश्विक अग्रणी कंपनियों के बराबर एआई परिपक्वता बहुत अधिक है। यह परिपक्वता स्तर के आधार पर कंपनियों को चार समूहों - लीडर्स, स्टेडी फॉलोअर्स, लीपफ्रॉगर्स और लैगार्ड्स में विभाजित करती है। सेट में 11% कंपनियों को लीडर चुना गया, जिन्हें अब लीपफ्रॉगर्स (9% कंपनियों) से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अपनी एआई-संचालित रूपांतरण यात्रा देर से शुरू की, लेकिन पिछले तीन वर्षों में एआई परिपक्वता के अधिकांश पहलुओं पर अग्रणियों के साथ एआई परिपक्वता में तेजी से सुधार हुआ है। हालाँकि, यह चिंता लैगार्ड्स, लगभग 2/3 कंपनियों के साथ उभरी, जिनकी प्रौद्योगिकी, डेटा और विश्लेषणात्मक क्षमताओं में एआई में कुछ अनुभव और निवेश है।

यह रिपोर्ट वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम एआई परिपक्वता स्तरों की ओर प्रगति करने के लिए मध्य-स्तरीय एआई परिपक्वता वाली कंपनियों के लिए कार्रवाई योग्य मार्गदर्शन प्रदान करती है। एआई अपनाने वाले अग्रणियों के लिए, रिपोर्ट एआई उत्कृष्टता की अगली सीमाओं की खोज पर केंद्रित है। अनुसंधान से पता चला है कि एआई निवेश अंतिम-उपयोगकर्ता मूल्य और टॉपलाइन वृद्धि को बढ़ाकर महत्वपूर्ण आर्थिक और वेतन विस्तार को बढ़ावा दे सकता है। भारत के पास अब एआई की विशाल क्षमता को वास्तविकता में बदलने की चुनौती का अवसर है।

मुख्य विशेषताएं:

1. बीएफएसआई, सीजी और आईजी क्षेत्रों की चुनिंदा कंपनियों ने उच्च एआई परिपक्वता हासिल की है, जिससे उनको वैश्विक बेंचमार्क के बराबर स्थान मिला है।
2. एक महत्वपूर्ण छलांग: 10% संगठनों ने पिछले 3 वर्षों में अपनी एआई क्षमताओं को रूपांतरित किया है, और वे विभिन्न आकारों वाले हैं।
3. नेतृत्व में डेटा मानसिकता महत्वपूर्ण है: शीर्ष 500 भारतीय कंपनियों को एआई, डिजिटल रूपांतरण, काम करने के चुस्त तरीकों आदि के व्यावसायिक पहलुओं पर मध्य और वरिष्ठ स्तर के प्रबंधन का कौशल बढ़ाने के लिए 1 मिलियन घंटे के प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
4. बिजनेस सॉफ्टवेयर तक ऑन-डिमांड पहुंच और डिजिटल भुगतान गेटवे, धोखाधड़ी का पता लगाने वाले सिस्टम और सीआरएम जैसी सेवाओं की उपलब्धता के कारण अधिकांश एमएसएमई अब एआई का लाभ उठाने में सक्षम हैं।
5. डोमेन विशेषज्ञता वाले डेटा वैज्ञानिकों की कमी: अगले 3-5 वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एआईएमएल के 25,000 से 30,000 उन्नत पेशेवरों की आवश्यकता होगी।
6. भारत में दुनिया के लगभग 4.5% एआई पेशेवर हैं, और प्रतिभा की कमी और अधिक गंभीर हो जाएगी।
7. एआई के लाभ: अगले 5 वर्षों में शीर्ष 500 भारतीय कंपनियों के लिए 1.5-2.5 ट्रिलियन रुपये का कर-पूर्व वृद्धिशील लाभ मिलेगा।

पूरी रिपोर्ट का लिंक यहां उपलब्ध है: https://www.iima.ac.in/sites/default/files/2023-07/Revised%20India%20AI%20Report_Jul%2010_Digital_compressed.pdfb

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के बारे में:

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप व्यवसाय और समाज के अग्रणियों के साथ उनकी सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने और उनके सबसे बड़े अवसरों का लाभ उठाने के लिए साझेदारी करता है। जब बीसीजी की स्थापना 1963 में हुई थी, तब वह व्यवसाय रणनीति में अग्रणी था। आज, हम संपूर्ण रूपांतरण में ग्राहकों की मदद करते हैं - जटिल परिवर्तन के लिए प्रेरित करते हैं, संगठनों को बढ़ने में सक्षम बनाते हैं, प्रतिस्पर्धात्मक लाभ का निर्माण करते हैं, और निचले स्तर पर प्रभाव डालते हैं।

सफल होने के लिए, संगठनों को डिजिटल और मानवीय क्षमताओं का मिश्रण करना होगा। हमारी विविध, वैश्विक टीमें परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए गहन उद्योग और कार्यात्मक विशेषज्ञता और कई प्रकार के दृष्टिकोण लाती हैं। बीसीजी प्रौद्योगिकी और डिजाइन, कॉर्पोरेट और डिजिटल उद्यमों और व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ-साथ अग्रणी प्रबंधन परामर्श के माध्यम से समाधान प्रदान करता है। हम सभी फर्म में

और ग्राहक संगठन के सभी स्तरों पर एक विशिष्ट सहयोगी मॉडल में काम करते हैं, जिससे ऐसे परिणाम मिलते हैं जो हमारे ग्राहकों को आगे बढ़ने देते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया bcg.com पर जाएँ।

ब्रिज डीसा सेंटर फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में

आईआईएमए में ब्रिज डीसा सेंटर फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीडीएसए) डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अत्याधुनिक शोध के संचालन और प्रसार के लिए फैकल्टी, छात्रों और पेशेवरों को एक साझा मंच प्रदान करता है जो व्यवसाय, गवर्नेन्स और नीति पर लागू समाधान प्रदान करता है। कार्य-उन्मुख अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने के अलावा, सीडीएसए संस्थान के दायरे के भीतर और बाहर व्यापक लोगों तक उत्पन्न ज्ञान के प्रसार के लिए भी जिम्मेदार है। इस केंद्र का उद्देश्य वर्तमान उद्योग पद्धति को समझने और कक्षा शिक्षण के लिए केस अध्ययन तैयार करने के लिए केस-आधारित अनुसंधान करने के अलावा, डेटा गहन संगठनों में छात्रों और पेशेवरों के बीच सहक्रियात्मक और सहयोगात्मक संबंध बनाना है। इसके अलावा, उद्योग के साथ अपने सहयोग के माध्यम से, सीडीएसए काफी व्यावहारिक महत्व की चुनौतीपूर्ण परामर्श परियोजनाएं शुरू करता है। इन परियोजनाओं का लक्ष्य छात्रों को उन परियोजनाओं में भाग लेने का अवसर प्रदान करना है जिनका लक्ष्य ऐसे परिणाम प्राप्त करना है जो कुल मिलाकर संगठन और व्यवसाय का लाभ बढ़ा सकें।

आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख, वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंध शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के 60 वर्षों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, भावी नेतृत्व तैयार करने, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव पैदा करने के माध्यम से विद्वत्ता, कार्य और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए मान्यता दी गई है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ नेटवर्क है और इसकी दुबई में भी उपस्थिति है। इसके प्रख्यात फैकल्टी सदस्य और 40,000 पूर्व छात्र भी इसकी वैश्विक मान्यता में योगदान करते हैं, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं। पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह EQUIS से अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया। संस्थान को भारत सरकार के नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), इंडिया रैंकिंग 2023 में भी पहला स्थान दिया गया है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) कार्यपालक शिक्षा रैंकिंग 2023 में

संस्थान को भारत में नंबर 1, एशिया में नंबर 2 और वैश्विक स्तर पर 35वां स्थान दिया गया है। प्रबंधन में प्रसिद्ध प्रमुख दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को FT मास्टर इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2021 में 26वां स्थान दिया गया है और कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) को FT ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2022 में 62वां स्थान दिया गया है।

आईआईएमए व्यावसायिक नेतृत्व, नीति निर्माताओं, उद्योग पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कार्मिकों, कृषि-व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्यमियों के विविध लोगों के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएं और 200 से अधिक क्यूरेटेड कार्यपालक शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आईआईएमए के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया https://www.iima.ac.in/ देखें।

मीडिया संपर्क:

कमला चौधरी कम्युनिकेशंस हब, आईआईएमए

वर्षा रत्नपारके | vp- communications@iima.ac.in

सुनीता अरविंद | pr@iima.ac.in | +91-8450 90 0 643